ग्लोबल फंड द्वारा HIV उपचार की कीमत कम करने हेतु समझौता

प्रलिम्सि के लयि:

ग्लोबल फंड, टेनोफोवरि डसिप्रॉक्सलि, लैमविुडनि, डोलटेग्रेवरि (TLD), हयूमन इमयूनोडेफशिएिंसी वायरस (HIV)

मेन्स के लयि:

AIDS, HIV और संबंधति पहलें

सरोत: द हदिू

चर्चा में क्यों?

ग्लोबल फंड द्वारा जेनेरकि दवा नरि्माताओं के साथ समझौते की घोषणा के बादहयूमन इमयूनोडेफशिएिंसी वायरस (HIV) दवा, **टेनोफोवरि डसिप्रॉक्सलि, लैमविुडनि और डोलटेग्रेवरि** (TLD) की कीमतों में कमी की जाएगी।

समझौते के मुख्य बदिु:

- **लागत में कमी:**
  - TLD के नाम से जानी जाने वाली उन्नत गोली की कीमत में 25% कमी के बाद उसे प्रतवि्यक्तपि्रतविर्ष 45 अमेरकिी डॉलर से कम में उपलब्ध कराना संभव होगा।
- **प्रभाव:**
  - TLD के लयि कम मूल्य नरि्धारण का अर्थ है कसिरकारें और ग्लोबल फंड अनुदान के अन्य कार्यान्वयनकर्ता संसाधन-बाधति परसि्थतियिों में HIV से पीड़ति लगभग 19 मलियिन से अधकि लोगों तक पहुँचने के लयि उपचार कार्यक्रमों का वसि्तार कर सकते हैं।

ग्लोबल फंड:

- **परचिय:**
  - **ग्लोबल फंड** HIV, **तपेदकि** और **मलेरिया** के संक्रमण को कम करने और सभी के लयि स्वस्थ, सुरक्षति, अधकि न्यायसंगत भवषि्य सुनशि्चति करने के लयि वर्ष 2002 में स्थापति एक **वशि्वव्यापी आंदोलन** है।
  - ग्लोबल फंड प्रतति्तीन वर्ष के अंतराल पर धन जुटाता है, जसिका उपयोग **एड्स**, **टीबी** और **मलेरिया** के खलािफ लड़ाई में दीर्घकालकि नशि्चतिता प्राप्त करने में कयिा जाता है।
  - वभिन्नि सरकारें, नजिी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठन इस मशिन के समर्थन के लयि वति्तीय सहायता प्रदान करने हेतु प्रतबिद्ध हैं।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य अत्यधकि घातक संक्रामक बीमारयिों से लड़ना, उन्हें बढ़ावा देने वाले कारकों की चुनौती से नपिटना और 100 से अधकि देशों में स्वास्थ्य प्रणालयिों को सशक्त बनाने हेतु प्रतविर्ष 4 बलियिन अमेरकिी डॉलर की राशएिकत्र करना एवं उसे नविेश करना है।
- **ग्लोबल फंड रणनीतति(2023-2028):**
  - महामारी से लड़ना और एक स्वस्थ एवं अधकि न्यायसंगत वशि्व का नरि्माण करना:
    - रणनीतकिा प्राथमकि लक्ष्य एड्स, तपेदकि और मलेरिया को समाप्त करना है, जसिमें उत्प्रेरक नविेश करने तथा नए संक्रमणों को कम करने में तेज़ी से प्रगतकिे लयि नवाचारों का लाभ उठाने पर वशिेष ध्यान दयिा गया है।

टीएलडी (TLD):

- HIV के 85% से अधकि उपचार का मुख्य आधार टीएलडी टैबलेट (तीन एंटीरेट्रोवाइरल दवाओं का एक नशि्चति खुराक संयोजन, अर्थात् टेनोफोवरि + लैमविुडनि + डोलटेग्रेवरि) है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे **वयस्कों तथा किशोरों के लिये मुख्य प्रथम-पंक्ति HIV उपचार** के रूप में अनुशंसित किया है क्योंकि यह एड्स का कारण बनने वाले वायरस को तेज़ी से रोकता है और साथ ही इसके दुष्प्रभाव कम होते हैं एवं इसे लेना आसान होता है।

एचआईवी (HIV):

- **परिचय:**
  - HIV का आशय **ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस** से है, जो एक वायरस है, यह मानव शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है।
  - यह मुख्य रूप से **CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं को लक्षित करता है** और उन्हें क्षति पहुँचाता है, जो **संक्रमण तथा बीमारियों से लड़ने की शरीर की क्षमता** के लिये आवश्यक हैं।
    - समय के साथ HIV प्रतिरक्षा प्रणाली को कमज़ोर कर देता है, **जिससे शरीर संक्रमणों और कैंसर के प्रति संवेदनशील** हो जाता है।
- **फैलाव:**
  - HIV मुख्य रूप से **रक्त, वीर्य, योनि द्रव तथा स्तन के दूध** जैसे कुछ शारीरिक तरल पदार्थों के आदान-प्रदान से फैलता है।
- **तीव्रता:**
  - यदि समय रहते इसका उपचार नहीं किया जाता है, तो यह वायरस किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर देता है तथा यह कहा जाता है कि वे एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम स्टेज **(Acquired Immunodeficiency Syndrome stage- AIDS)** में हैं जहाँ **उन्हें कई संक्रमण हो सकते हैं जिसके कारण व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।**
- **उपचार:**
  - हालाँकि वर्तमान में इस संक्रमण का कोई उपचार नहीं है लेकिन एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी **(Antiretroviral Therapy)** का उपयोग कर इस बीमारी को प्रबंधित किया जा सकता है।
    - ये दवाएँ शरीर के भीतर वायरस की प्रतिकृति को दबा देती हैं, **जिससे CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं की संख्या बढ़ने लगती है।**

AIDS रोग की रोकथाम के लिये भारत की पहल:

- **HIV और AIDS (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017:** इस अधिनियम के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें HIV या AIDS के प्रसार को रोकने के लिये उपाय करेंगी।
- **ART तक पहुँच:** भारत ने विश्व में HIV से पीड़ित 90% से अधिक लोगों के लिये एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (Antiretroviral Therapy- ART) को वहनीय और सुलभ बना दिया है।
- **प्रोजेक्ट सनराइज़:** भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में विशेषकर मादक दवाओं का इंजेक्शन लेने वाले लोगों में HIV के बढ़ते प्रसार से निपटने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में प्रोजेक्ट सनराइज़ शुरू किया गया था।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित बीमारियों में से कौन-सी टैटू बनवाने के द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचरित हो सकती है/हैं? (2013)

1. चिकनगुन्या
2. यकृतशोथ B
3. HIV-AIDS

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-fund-secures-deal-to-slash-hiv-treatment-price